Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2021 = 7.380, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL, NOV-DEC, 2022, VOL- 10/74

गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के घरेलू वातावरण का अध्ययन

सुशमा[1] & ममता असवाल[2], Ph. D.

[1]शोधार्थी शिक्षा संकाय, कुमाऊँ विश्वविद्यालय,नैनीताल

[2]सहायक प्राध्यापक, शिक्षा संकाय, कुमाऊँ विश्वविद्यालय,नैनीताल

Paper Received On: 25 NOV 2022

Peer Reviewed On: 30 NOV 2022

Published On: 1 DEC 2022

Abstract

प्रत्येक बालक का जन्म एक निश्चित स्थान तथा निश्चित समय पर होता है। उसका पालन–पोशण भी एक निश्चित वातावरण में होता है। बालक विकास में विशिश्ट क्रियाओं का समय निश्चित होता है। "बालक के विकास की प्रथम सीढ़ी पारिवारिक वातावरण है, क्योंकि बालक के विकास में परिवार व विद्यालय दोनों ही भूमिका अदा करते हैं, परन्तु विद्यालय से भी अधिक महत्वपूर्ण बालक की पहली संस्था परिवार है, जोकि बालक का सर्वांगीण विकास करती है तथा बालक के लिए शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक तथा सीखने का वातावरण प्रदान करती है" (शर्मा 2012)। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य "गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के घरेलू वातावरण का अध्ययन" करना है। अध्ययन क्षेत्र के रूप में उत्तराखण्ड राज्य के पौड़ी जनपद के जयहरीखाल, कल्जीखाल, दुगड्डा, और एके वर ब्लॉक का चुनाव किया गया। प्रस्तुत अध्ययन सर्वेक्षण विधि से किया गया तथा न्यादर्श में 200 विद्यार्थियों का चयन किया गया। आंकड़ों के विश्लेशण एवं व्याख्या के लिए सांख्यिकी के रूप में मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–टेस्ट का प्रयोग किया गया। अध्ययन के निश्कर्श के रूप में विद्यार्थियों में लिंग एवं शैक्षिक वर्ग के आधार पर घरेलू वातावरण में सार्थक अन्तर पाया गया है।

की–वर्ड: *घरेलू वातावरण, विद्यार्थी*

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना

मनुश्य हमेशा एक सामाजिक माहौल में विसर्जित होते हैं, जो न केवल व्यक्ति की संरचना को बदलता है या सिर्फ तथ्यों को पहचानने के लिए मजबूर करता है, बल्कि उसे संकेतों की एक तैयार प्रणाली भी प्रदान करता है। यह उन पर दायित्वों की एक श्रृंखला लगाता है। पर्यावरण अर्थात घर और स्कूल के वातावरण, बच्चों के जीवन में एक प्रभावशाली आकार साझा करते हैं। परिवार सामाजिक–जैविक इकाई है, जिसका व्यक्ति के व्यवहार के विकास पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है, विभिन्न भोधकर्ताओं ने घरेलू पर्यावरण या माता–पिता के बच्चे की निम्नलिखित विशेशताओं को स्वीकृत किया है। अभ्यास, प्रथाओं की अनुमति, बच्चे को समय समर्पित करने की इच्छा, माता–पिता के मार्गदर्शन, उपलब्धि के लिए

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

माता–पिता की आकांक्षा, बच्चे की बौद्धिक आवश्यकताओं के लिए प्रावधान, प्रभावशाली पुरस्कार, वाद्य सहयोग, पर्चे, शारीरिक सजा, अनशासित अनुशासन, उपेक्षा, विशेशाधिकारों की कमी, सुरक्षा, भाक्ति, उत्थान की मांग, भोग, अनुरूपता, आजादी, भावनात्मक और मौखिक उत्तरदायित्व, बच्चे के साथ भागीदारी, शारीरिक और अस्थायी वातावरण, प्रतिबंध और सजा से बचने, उपयुक्त खेल सामग्री के प्रावधान आदि। विभिन्न विशेशताओं के साथ जुड़े व्यवहारों के प्रकार में एक महान अतिव्यापी मौजूद हैं। "शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों का पारिवारिक अनुशासन एवं उनकी भौक्षिक उपलब्धि, ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों से अधिक पाया जाता है" (कुमार 2008)। अतः विद्यार्थियों की भौक्षिक उपलब्धि पर घरेलू वातावरण का प्रभाव पड़ता है। एक परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई है। यह मानव समूह की मूल इकाई है। एक परिवार की संरचना समाज से समाज में भिन्न होती है। प्रत्येक समाज में एक परिवार की मूल गतिविधियां बच्चे को जन्म देती हैं, इसे संस्कृति में प्रेरित करती हैं और इसे सामाजिक बनाती हैं।

शोध का औचित्य

प्रत्येक बालक का जन्म एक निश्चित स्थान तथा निश्चित समय पर होता है। उसका पालन–पोशण भी एक निश्चित वातावरण में होता है। बालक विकास में विशिश्ट क्रियाओं का समय निश्चित होता है। "बालक के विकास की प्रथम सीढ़ी पारिवारिक वातावरण है, क्योंकि बालक के विकास में परिवार व विद्यालय दोनों ही भूमिका अदा करते हैं, परन्तु विद्यालय से भी अधिक महत्वपूर्ण बालक की पहली संस्था परिवार है, जोकि बालक का सर्वांगीण विकास करती है तथा बालक के लिए शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक तथा सीखने का वातावरण प्रदान करती है" (भार्मा 2012)। एक शोध में यह स्पश्ट रूप से पाया गया है कि "संयुक्त परिवार की पुरानी संरचना की उम्र अब औद्योगीकरण, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक कारक और कानूनी मजबूती के साथ तनाव के तहत टूट गई है। इस विकास से विभिन्न परिवारों के बच्चों की शिक्षा और विकास के लिए विभिन्न अन्य संस्थानों की स्थापना हुई है" (जॉनसन और मेडिसन 1996)।

(ग्रेबैक डब्ल्यू 1973) ने बताया कि पोशण संबंधी प्रेम और उपलब्धि अपेक्षाएं, मांग और मानक माता–पिता के व्यवहार के आयामों का गठन करते हैं जिन्हें पिछले भोधकर्ताओं द्वारा महत्वपूर्ण रूप से नियंत्रित किया गया है।

समस्या कथन

"गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के घरेलू वातावरण का अध्ययन।"

अध्ययन के उद्देश्य

1. गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के लिंग के आधार पर घेरलू वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।

2. गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के शैक्षिक वर्ग के आधार पर घरेलू वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

शोध कार्य की परिकल्पनाएं

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु परिकल्पनाएं निम्न प्रकार से हैं –

1. गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के लिंग के आधार पर घेरलू वातावरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

2. गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के शैक्षिक वर्ग के आधार पर घरेलू वातावरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध कार्य का सीमांकन

1. प्रस्तुत अध्ययन में उत्तराखण्ड के केवल पौड़ी जनपद के एके वर, दुगड्डा, कल्जीखाल, जहरीखाल विकासखण्डों पर भाोध कार्य किया गया।

2. न्यादर्श में केवल राजकीय उच्च माध्यमिक स्तर के 12वीं कक्षा में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया।

3. प्रस्तुत अध्ययन में राजकीय उच्च माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों को भाामिल किया गया।

प्रयुक्त शोध विधि

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श विधि

प्रस्तुत अध्ययन में उत्तराखण्ड के पौड़ी जनपद के एके वर, दुगड्डा, कल्जीखाल, जयहरीखाल विकासखण्डों के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों से यादृच्छिक न्यादर्श विधि के द्वारा 200 न्यादर्श (विद्यार्थियों) का चयन किया गया।

उपकरण का चयन

प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्यों की प्राप्ति तथा प्रदत्तों के एकत्रीकरण हेतु शोधार्थी द्वारा निम्नलिखित उपकरण प्रयुक्त किया गया–

1. अख्तर ए0 के0 एवं सक्सेना एस0 बी0 द्वारा निर्मित उपकरण Home Environment Scale.

सांख्यिकी प्रविधियां

प्रदत्तों के विश्लेशण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, टी परीक्षण का प्रयोग किया गया।

आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण विश्लेशण एवं व्याख्या

परिकल्पना–1. गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के लिंग के आधार पर घेरलू वातावरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका–01: गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के लिंग के आधार पर घेरलू वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।

विद्यार्थी	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	"t"
छात्र	100	134.36	19.813	2.492
छात्राएं	100	145.72	15.128.	

निश्कर्श

उपर्युक्त तालिका से स्पश्ट है, कि गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के लिंग के आधार पर घेरलू वातावरण में छात्रों का मध्यमान 134.36 तथा मानक विचलन 19.813 है। तथा छात्राओं का मध्यमान 145.72 तथा मानक विचलन 15.128 है। इन दोनों माध्यों की तुलना हेतु गणना द्वारा "टी" का मान 2.492 है। यह मान .05 सार्थकता स्तर के मान 1.96 से अधिक है, अतः हम अपनी परिकल्पना को अस्वीकार करते हैं, अर्थात् गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के लिंग (छात्र/छात्राओं) के आधार पर घेरलू वातावरण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना–2. गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के भौक्षिक वर्ग के आधार पर घरेलू वातावरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका–02: गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के भौक्षिक वर्ग के आधार पर घरेलू वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शैक्षिक वर्ग	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	"t"
कला वर्ग	100	136.49	18.04	2.51
विज्ञान वर्ग	100	143.59	17.484	

निश्कर्श

उपर्युक्त तालिका से स्पश्ट है, कि गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के भौक्षिक वर्ग के आधार पर कला वर्ग में घरेलू वातावरण का मध्यमान 136.49 तथा मानक विचलन 18. 04 है, तथा विज्ञान वर्ग में घरेलू वातावरण का मध्यमान 143.59 तथा मानक विचलन 17.484 है। इन दोनों माध्यों की तुलना हेतु गणना द्वारा "टी" का मान 2.51 है। यह मान .05 सार्थकता स्तर के मान 1. 96 से अधिक है, अतः हम अपनी परिकल्पना को अस्वीकार करते हैं, अर्थात् गढ़वाल मंडल के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के भौक्षिक वर्ग के आधार पर घरेलू वातावरण में सार्थक अन्तर है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

Akhtar A. et al. (2011). The impact of motivation on student's academic achievement in mathematics in problem based learning environment. International Journal of Academic Research, 3(1), 306-309.Bhatt, Anita and Aminabhavi Vijayalaxmi (2011). Home Environment and Psychosocia Competence of Adolescents, J. Psychology, 2.(1), 57-63.

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

Ashvinkumar R. Soni (2013). A Study of the Relationship between Academic Achievement Motivation and Home Environment among Standard 10th Pupils, International Journal for Research in Education, 2(4), 48-51.

Bajwa, S. and Kaur, H. (2006). Academic achievement in relation to family environment and academic stress, Education New Horizons, IV (11).

Mahanta, Dibyajyoti (2014). The Role of Home Environment and Mathematics Achievement for Students of Secondary Schools in Nagaon District, Asian J. of Adv. Basic Sci, 2(1), 105-115.

Muola, J. M. (2010) " A study of the relationship Motivation and Home Environment among standard eight pupils" Educational Research and Review, vol-5 Issue-5, pp-213-217.

Sharma R.A. (2006) Educational Psycology 3rd Edition Delhi Publication.

भट्टनागर ए. बी., भट्टनागर मिनाक्षी, अनुराग (2003) एजुकेशनल साइकोलोजी, आर. लाल बुक डिपो.

अस्थाना विपिन (2011) शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी अग्रवाल पब्लिकेशन.

www.ncert journals.com

www.Shodhganga@INFLIBNET.

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies